

दीनदयाल जी न सिर्फ अपने देश में बल्कि विदेशों में भी अपने विद्वत्त्व के कारण अमित छाप छोड़ गए। एक बार अमरीका प्रवास पर जाने से पहले उन्हें विदाई देने वालों में एक ने प्रश्न किया—



भारतीय आत्मसम्मान को स्थापित करते हुए अमरीकी यात्रा के दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच उनका भाषण हुआ।

कोलम्बस ने अमरीका खोज निकाला, परन्तु वह तो भारत खोजने निकला था। यानी भारत खोजने के प्रयास में ही उसे अमरीका मिला। यह संयोग की बात है, परन्तु दोनों देशों में प्रजातंत्र के प्रति जो गहरी आस्था है, वह इस संयोग का स्थाई सूत्र प्रदान करता है। इसी आधार पर भारत—अमरीका मित्रता प्रबल हो सकती है।

